>

Title: Regarding World AIDS Day.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : सर, मैं दो शब्द कहना चाहता हूं। जैसा कि अध्यक्ष जी ने चेयर पर बैठते ही कहा कि आज विश्व एड्स दिवस है, तो मैं इसमें सदन को कुछ सुझाव के तौर पर कहना चाहूंगा।

माननीय अध्यक्ष जी, ज्यादातर पूरे विश्व में इसके शिकार नवयुवक हो रहे हैं। इस समय पूरे विश्व में पांच करोड़ लोग एड्स के शिकार हैं, दुनिया में 14000 लोग प्रतिदिन एड्स के शिकार हो रहे हैं। जहां तक भारत का मामला है, सरकारी आंकड़ा कहता है कि भारत में 25 लाख एड्स के रोगी हैं, लेकिन अन्य संगठन कहते हैं कि भारत में 55 लाख एड्स के रोगी हैं। भारत की राजधानी दिल्ली में, जहां हम बैठे हैं, यहां पर 36 हजार रोगी हैं जिनमें से 2900 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। समाचार-पत्रों में आया है कि हमारी सीमा पर जो फौजी तैनात हैं वे भी एड्स के शिकार हो रहे हैं और करीब 300-400 के आंकड़े उसमें दिये गये हैं। इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि जो भी हमारे रोगी हैं, उनको गोपनीयता तथा सामाजिक सुरक्षा मुहैया होनी चाहिए। भारत में 10 हजार के लिए मुफ्त इलाज की व्यवस्था है, लेकिन हमारे यहां मरीज लाखों की तादाद में हैं और 2.5 करोड़ लोग वर्ष 1981 से अब तक जान गंवा बैठे हैं। इसकी दवा इतनी महंगी है कि आम गरीब आदमी इसकी दवा नहीं कर सकता है। [r9]

अध्यक्ष महोदय, वह या तो भुखमरी का शिकार होगा या गरीबी की चपेट में आ जाता है। मैं सरकार से चाहता हूं कि इसकी जांच-पड़ताल ग्रामीण स्तर से लेकर जहां भी यह बीमारी फैल रही है, वहां कराई जाए। यह कहा गया है कि अब तक 5 हजार जांच केंद्र खोले जाएंगे और निजी क्षेत्र में 10 हजार जांच इकाइयां खोली जाएंगी। सरकार इस दिशा में बिल लाने वाली है, इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से चाहता हूं कि अगला जो बजट सत्र आए, उसमें एड्स बीमारी से संबंधित बिल लाए, ताकि एचआईवी पोजिटिव रोगियों को सुविधा मिल सके।